

निगरानी पुं. (फा.) देखरेख, निरीक्षण।

निगल, निगलन पुं. (तद्.) दे. निगरण।

निगलना स.क्रि. (तद्.) लील जाना, गले के नीचे उतार देना, घोंट जाना, गटक जाना 2. खा जाना 3. रुपया या धन पचा जाना, दूसरे का धन या कोई और वस्तु मार बैठना।

निगह स्त्री. (फा.) निगाह, दृष्टि, नजर।

निगहबान पुं. (फा.) निगाह रखने वाला, देखने वाला, रक्षक।

निगहबानी स्त्री. (फा.) रक्षा, देखरेख, रखवानी, चौकसी।

निगाद पुं. (तत्.) कथन, भाषण।

निगादी पुं. (तत्.) वक्ता।

निगार पुं. (तत्.) भक्षण पुं. (फा.) चित्र, बेलबूटा, नक्काशी 2. एक फारसी राग

निगारक वि. (तत्.) भक्षक, निगलने वाला।

निगाल पुं. (देश.) एक प्रकार का पहाड़ी बाँस जो हिमालय में पैदा होता है, इसे रिंगान भी कहते हैं 2. घोड़े की गरदन, जंजीर, सँकल।

निगालक पुं. (तद्.) निगलने वाला, भक्षण करने वाला।

निगालवान पुं. (तत्.) अश्व, घोड़ा।

निगालिका स्त्री. (तत्.) काव्य. आठ अक्षरों की एक वर्णवृत्ति जिसके प्रत्येक घरण में जगण, रगण आदि लघु गुरु होते हैं इसे 'प्रगणिका' और 'नागस्वस्फिणी' भी कहते हैं।

निगाली स्त्री. (तत्.) 1. निगाल, बाँस की बनी नली 2. हुक्के की नली जिसे मुँह में रखकर धुआँ खींचते हैं।

निगाह स्त्री. (फा.) 1. दृष्टि, नजर 2. देखने की क्रिया, चितवन 3. समय, विचार 4. ध्यान 5. देखरेख, परख, पहचान।

निगिभ वि. (तद्.) अत्यंत गोपनीय, जिसका बहुत लोभ हो, बहुत प्यारी।

निगीर्ण वि. (तत्.) 1. निगला हुआ 2. अंतर्भुक्त, समाविष्ट।

निगुंफ पुं. (तत्.) 1. समूह, गुच्छ 2. अत्यंत गुंफन या गुंथाई, घनी गुंथाई।

निगु वि. (तत्.) प्रसन्न करने वाला, मनोहारी पुं. 1. मन 2. मल 3. मूल, जड़ 4. चित्रण।

निगुनी वि. (देश.) जो गुणी न हो, गुण रहित।

निगुरा वि. (तद्.) जिसने गुरु न किया हो, अदीक्षित, जिसने गुरु से मंत्र न लिया हो।

निगूढ वि. (तत्.) अत्यंत गुप्त पुं. वन मुग्ध, मोठा।

निगूढार्थ पुं. (तत्.) जिसका अर्थ छिपा हो।

निगूना पुं. (तद्.) दे. निर्गुण।

निगूहन पुं. (तत्.) गोपन, छिपाव।

निगूहीत वि. (तत्.) 1. धरा हुआ, पकड़ा हुआ, घेरा हुआ 2. आक्रमित, आक्रांत, जिस पर आक्रमण किया गया हो 3. पीड़ित 4. दंडित 5. वशीभूत।

निगूहीति स्त्री. (तत्.) 1. बाधा, रोक 2. पराभव, वश में करना।

निगेटिव पुं. (अं.) वह प्लेट या फिल्म जिस पर फोटो लिया जाता है, और जिस पर प्रकाश और छाया की छाप उल्टी पड़ती है, अर्थात् जहाँ खुलता और सफेद होना चाहिए वहाँ काला और गहरा होता है और जहाँ काला और गहरा होना चाहिए वहाँ खुलता और सफेद होता है, कागज पर (पाजिटिव) सीधा छाप लेने से फिर पदार्थों का चित्र यथातथ्य उतर जाता है।

निगोड़ा वि. (देश.) 1. जिसके ऊपर कोई बड़ा न हो 2. जिसके आगे पीछे कोई न हो, जिसके पैर न हों, अभागा 3. दुष्ट, बुरा, नीचा।

निगोड़िन स्त्री. (देश.) दे. निगोड़ा।

निगोरा पुं. (देश.) दे. निगोड़ा।

निग्रह पुं. (तत्.) 1. रोक, अवरोध 2. दमन 3. चिकित्सा, रोकने का उपाय 4. दंड 5. पीड़न 6. बंधन 7. सीमा 8. शिव 9. विष्णु 10. भर्त्सना।